04 मार्च 2024

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था पिछले वर्ष दिसंबर तिमाही में 8.4% बढ़ी, जबकि इसकी पिछली तिमाही में 7.6% की वृद्धि हुई थी।
- एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जनवरी के 56.5 से बढ़कर फरवरी में 56.9 पर पहुंच गया।
- वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कच्चे स्टील का उत्पादन जनवरी 2024 में 1.6 प्रतिशत घटकर 148.1 मिलियन टन रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 150.6 मिलियन टन था। शीर्ष उत्पादक चीन का उत्पादन नवंबर में कम होकर 77.2 मिलियन टन रह गया, जो एक साल पहले की अवधि से 6.9 प्रतिशत कम है। भारत ने 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 12.5 मिलियन टन उत्पादन किया है।
- सरकार का अनुमान है कि 2023-24 में देश में खाद्यान्न का उत्पादन खरीफ सीजन के दौरान लगभग 154.19 मिलियन टन और रबी सीजन में 155.12 मिलियन टन होगा।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आगामी खरीफ सीजन, जो 1 अप्रैल से 30 सितंबर, 2024 तक चलेगा, के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों के लिए सब्सिडी दरों को मंजूरी दे दी।
- सरकार ने एक बयान में कहा कि विश्व बाजार में कीमतें मजबूत होने के कारण भारत ने सोने और चांदी के आधार आयात मूल्य बढ़ा दिए, जबकि वनस्पति तेलों के आधार मूल्य को काफी हद तक स्थिर रखा।
- वैश्विक एल्युमीनियम उत्पादकों ने जापानी खरीदारों को अप्रैल-जून में प्राथमिक एल्युमीनियम के शिपमेंट के लिए 145-155 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के प्रीमियम की पेशकश की है, जो चालू तिमाही से 61%-72% अधिक है।
- रॉयटर्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) ने इस महीने 26.42 मिलियन बैरल प्रति दिन तेल का उत्पादन किया, जो जनवरी से 90,000 बैरल प्रति दिन अधिक है। लीबिया का उत्पादन महीने-दर-महीने 150,000 बैरल प्रति दिन बढ़ा।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.02.24	29.02.24	बदलाव (%)
हल्दी	15,302.00	17,162.00	12.16%
कपास	1,555.00	1,654.00	6.37%
कॉटन	28,000.00	29,290.00	4.61%
कॉटनऑयलसीडकेक	2,563.00	2,656.00	3.63%
धनिया	7,780.00	8,000.00	2.83%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.02.24	29.02.24	बदलाव (%)
मेंथा ऑयल	900.50	1010.00	12.16%
नेचुरल गैस	143.10	157.10	9.78%
लेड	176.25	186.70	5.93%
एल्युमीनियम	195.25	200.25	2.56%
कच्चा तेल	6353.00	6513.00	2.52%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.02.24	29.02.24	बदलाव (%)
जीरा	26,215.00	24,745.00	-5.61%
ग्वारसीड	5,364.00	5,270.00	-1.75%
सीसेम सीड	16,285.00	16,065.00	-1.35%
ग्वारगम	10,394.00	10,263.00	-1.26%
कैस्टर सीड	5,780.00	5,720.00	-1.04%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.02.24	29.02.24	बदलाव (%)
कपास	1530.00	1503.00	-1.76%
चांदी एमआईसी	70322.00	69333.00	-1.41%
चांदी	70479.00	69665.00	-1.15%
तांबा	725.95	725.25	-0.10%
निकल	1453.90	1453.50	-0.03%

साप्ताहिक समीक्षा

मजबूत आंकड़ों के बाद डॉलर इंडेक्स में गिरावट के कारण सीआरबी सूचकांक में बढ़त दर्ज की गई है और यह 317 के नजदीक बंद हुआ। टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर और जीडीपी के आंकड़ों में गिरावट के कारण डॉलर इंडेक्स में नरमी रही। सोने की कीमतों में लगातार दूसरे हफ्ते अच्छी बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत बेस मेटल की कीमतों में नरमी के कारण चांदी की कीमतों में गिरावट हुई। नेचुरल गैस की कीमतों में लगातार चार हफ्ते की गिरावट के बाद रिकवरी दर्ज की गई जबकि अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में अनुमान से अधिक बढ़ोतरी से मांग के कमजोर रहने के संकेत के कारण कच्चे तेल की कीमतों में सीमित दायरे में बढ़ोतरी हुई, लेकिन अमेरिकी व्याज दरों के लंबे समय तक अधिक बने रहने के संकेत के कारण कीमतों पर दबाव बना रहा । कच्चे तेल के भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते बढ़ोतरी हुई है और 23 फरवरी को समाप्त सप्ताह में तेल भंडार 4.2 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी के साथ 447.2 मिलियन बैरल हो गया। तांबें की कीमतों में लगातार तीसरे हफ्ते बढ़ोतरी हुई और कीमतें 700 से 735 के स्तर पर पहुंच गई लेड की कीमतों में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट हुई, लेकिन बाद में खरीददारी का रूझान देखा गया। जिंक की कीमतों में लगातार तीसरे हफ्ते बढ़त जारी रही। शीर्ष उपभोक्ता चीन में अगले सप्ताह की वार्षिक संसदीय बैठक में आगे के आर्थिक प्रोत्साहन पर सुराग की उम्मीद से बेस मेटल में थोड़ी खरीददारी दर्ज की गई।

कृषि कमोडिटीज में, अरंडी की कीमतों में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट हुई जबकि कॉटन की कीमतों में काफी वृद्धि देखी गई और हाजिर बाजारों में सप्लाई में कमी के कारण कीमतें 55000 के स्तर से 63500 के स्तर पर पहुंच गई। घरेलू बाजार में उत्पादन कम होने के कारण आवक की गति कम हो गई है। भारतीय कपास निगम द्वारा एमएसपी पर आक्रामक खरीदारी से भी कीमतों को स्थिर रहने में मदद मिली। कपास सीजन 2023-24 के दौरान, 21 फरवरी-24 तक सीसीआई ने एमएसपी ऑपरेशन के तहत 3265971 गांठों की खरीद की है। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में तीसरे हफ्ते बढ़ोतरी हुई जबकि ग्वार उत्पादों के निर्यात में कमी के कारण ग्वार बाजार में उच्च स्तर से कीमतों में गिरावट हुई। नॉर्वे और नीदरलैंड से कम खरीद के साथ दिसंबर-23 में ग्वारखली का निर्यात साल-दर-साल 43% गिरकर 7.61 हजार टन हो गया। जीरा की कीमतें कई महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई हल्दी की कीमतों में लगातार चौथे हफ्ते बढ़ोतरी जारी रही। प्रमुख उत्पादक राज्यों में सप्लाई में कमी की चिंता के कारण हल्दी की कीमतों में तेजी बरकरार रही । हल्दी की मौसमी कीमतों से पता चलता है कि फरवरी-मार्च के दौरान कीमतें मुख्य रूप से त्योहारी खरीदारी के कारण ऊंची रहती हैं। पैदावार में गिरावट के बीच हल्दी के तहत कम उत्पादन क्षेत्र के कारण उत्पादन में लगभग 14% की गिरावट होने की संभावना है। जीरा के निर्यात के मौसम से पता चलता है कि मार्च-अप्रैल में त्योहारों के मद्देनजर मजबूत मांग की संभावनाओं के कारण फरवरी-मार्च के दौरान निर्यात मांग अधिक रहती है। धनिया की कीमतों में दूसरे हफ्ते बढ़ोतरी हुई। भारत के उत्तरी और मध्य भाग में हाल ही में हुई बारिश से उपज के नुकसान की आशंका से भौतिक बाजार में खरीदारी गतिविधियों को समर्थन मिला। उत्पादन क्षेत्र और उपज में गिरावट के कारण उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10-15% की कमी आने की संभावना है।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	23.02.2024	29.02.2024	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	1956.65	2012.75	2.87%
चना	दिल्ली	6347.45	5902.70	-7.01%
धनिया	कोटा	7359.35	7647.45	3.91%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	832.25	861.20	3.48%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1435.90	1068.40	-25.59%
ग्वारसीड	जोधपुर	5409.50	4450.00	-17.74%
ग्वारगम	जोधपुर	10646.75	9000.00	-15.47%
जीरा	ऊंझा	30013.50	27742.90	-7.57%
सरसों	जयपुर	5491.30	5389.95	-1.85%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	907.50	937.50	3.31%
सोयाबीन	इंदौर	4679.20	4625.80	-1.14%
हल्दी	निजामाबाद	14323.05	14787.05	3.24%
गेहूं	दिल्ली	2470.00	2534.85	2.63%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2628.55	2679.10	1.92%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	23.02.2024	29.02.2024	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2198.00	2228.00	1.36%
तांबा	LME	नकद	8584.50	8493.50	-1.06%
लेड	LME	नकद	2087.50	2059.00	-1.37%
निकल	LME	नकद	17392.00	17896.00	2.90%
जिंक	LME	नकद	2386.50	2426.00	1.66%
सोना	COMEX	अप्रैल	2020.80	2054.70	1.68%
चांदी	COMEX	मई	22.90	22.89	-0.06%
लाइट क्रूड	NYMEX	अप्रैल	78.61	79.38	0.98%
नेचुरल गैस	NYMEX	अप्रैल	1.83	1.87	1.97%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	23.02.2024	29.02.2024	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	मई	1,141.75	1,140.75	-0.09%
सोया तेल	CBOT	मई	44.60	45.21	1.37%
कॉटन	ICE	मार्च	93.49	99.57	6.50%
सीपीओ	BMD	मई	3,853.00	3,970.00	3.04%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	22.02.2024 क्वांटिटी	29.02.2024 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	16043	16416	373
बाजरा	मी.टन	312	282	-30
कैस्टर सीड	मी.टन	6937	7078	141
धनिया	मी.टन	0	0	0
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	52194	50934	-1260
ग्वारगम	मी.टन	22761	21064	-1697
ग्वारसीड	मी.टन	25599	26683	1084
जीरा	मी.टन	0	0	0
स्टील	मी.टन	535	535	0

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	22.02.2024 क्वांटिटी	29.02.2024 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	1774	1009.98	-764
तांबा	मी.टन	2377248	2115897	-261351
सोना	किग्रा	327	327	0
सोना मिनी	किग्रा	2448	6448	4000
सोना गिनी	किग्रा	50000	785700	735700
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	340968	334837.39	-6131
चांदी एम	किग्रा	41088	49317.75	8230
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 23.02.2024	स्टॉक की स्थिति 29.02.2024	अंतर
एल्युमीनियम	560675	589075	28400.00
तांबा	122775	121375	-1400.00
निकल	70362	73788	3426.00
लेड	175600	179250	3650.00
जिंक	268700	275950	7250.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	मार्च	24745.00	10.10.23	तेजी	25500.00	24715.00	-	24650.00
NCDEX	हल्दी	अप्रैल	17162.00	18.01.24	तेजी	13900.00	14400.00	-	15500.00
NCDEX	ग्वारसीड	मार्च	5270.00	14.02.24	तेजी	5300.00	5180.00	-	5150.00
NCDEX	कैस्टरसीड	मार्च	5720.00	18.01.24	तेजी	5650.00	5520.00	-	5500.00
NCDEX	सुरजमुखी तेल	मार्च	850.20	30.01.24	मंदी	872.00	-	875.00	880.00
NCDEX	स्टील लांग	मार्च	42770.00	27.09.23	मंदी	46300.00	-	43520.00	43550.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	मार्च	2656.00	14.12.23	तेजी	2450.00	2430.00	-	2400.00
MCX	मेंथा ऑयल	मार्च	921.50	27.09.23	मंदी	960.00	-	945.00	950.00
MCX	**बुलडेक्स**	**मार्च**	**16003.00**	**21.02.24**	**मंदी**	**16050.00**	**-**	**16150.00**	**16200.00**
MCX	**चांदी**	**मार्च**	**71279.00**	**21.02.24**	**मंदी**	**71000.00**	**-**	**72180.00**	**72250.00**
MCX	**सोना**	**अप्रैल**	**62567.00**	**21.02.24**	**मंदी**	**62200.00**	**-**	**63230.00**	**63300.00**
MCX	तांबा	मार्च	727.15	25.01.24	मंदी	737.00	-	740.50	741.00
MCX	लेड	मार्च	178.50	07.02.24	मंदी	180.00	-	184.00	185.00
MCX	जिंक	मार्च	214.60	25.01.24	मंदी	230.00	-	224.00	225.00
MCX	एल्युमिनियम	मार्च	200.30	25.01.24	मंदी	206.00	-	207.00	207.50
MCX	कच्चा तेल	मार्च	6513.00	08.02.24	तेजी	6300.00	6130.00	-	6200.00
MCX	नेचुरल गैस	मार्च	157.10	18.01.24	मंदी	235.00	-	195.00	175.00

*29/02/2024 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम साप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस साप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

तांबा (मार्च) एमसीएक्स

तांबा (मार्च) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 742.40** **निचला स्तर: 706.25**

एमसीएक्स में तांबा (मार्च) कॉन्ट्रैक्ट 29 फरवरी 2024 को 727.15 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 726.18 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 43.88 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

738.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 715.00 रू के टारगेट के लिए 730.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

कच्चा तेल (मार्च) एमसीएक्स

कच्चा तेल (मार्च) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 6598.00** **निचला स्तर: 5848.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (मार्च) कॉन्ट्रैक्ट 29 फरवरी 2024 को 6513.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6434.56 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 61.643 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6350.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6800.00 रू के टारगेट के लिए 6500.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

धनिया (अप्रैल) एनसीडीईएक्स

धनिया (अप्रैल) एनसीडीईएक्स **उच्चस्तर: 9500.00** **निचला स्तर: 7460.00**

एमसीएक्स में धनिया (अप्रैल) कॉन्ट्रैक्ट 29 फरवरी 2024 को 8000.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 7829.83 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 74.50 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

7700.00रू के स्टॉपलॉस के साथ 8600.00 रू के टारगेट के लिए 8000.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

आगामी सीजन के लिए कमजोर आपूर्ति की संभावना को लेकर जारी चिंताओं के कारण पिछले सप्ताह हल्दी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। कम उत्पादन का प्रभाव आवक की गति पर देखा जा रहा है क्योंकि पिछले वर्ष के 35.16 हजार टन हल्दी के मुकाबले फरवरी-24 में अब तक प्रमुख एपीएमसी बाजारों में लगभग 12.5 हजार टन की आवक हुई है। मौजूदा आपूर्ति की कमी के कारण स्टॉकिस्ट कीमतों में हर गिरावट पर हल्दी खरीदने के लिए आकर्षित हो सकते हैं। हल्दी की मौसमी कीमतों से पता चलता है कि फरवरी-मार्च के दौरान कीमतें मुख्य रूप से त्योहारी खरीदारी के कारण ऊंची रहती हैं। आने वाले महीनों में त्योहारों और शादी के मौसम की शुरुआत के मद्देनजर सक्रिय खरीदारी होने की संभावना है। पैदावार में गिरावट के बीच हल्दी के तहत कम उत्पादन क्षेत्र के कारण उत्पादन में लगभग 20% की गिरावट होने की संभावना है। लेकिन हाल के महीनों में निराशाजनक निर्यात की रिपोर्ट से अत्यधिक बढ़त पर रोक लगने की संभावना है क्योंकि बांग्लादेश से कम खरीद के कारण भारत से हल्दी निर्यात दिसंबर-2023 में 13% घटकर 10.4 हजार टन रह गया। भारत ने अप्रैल-23-दिसंबर-23 के दौरान लगभग 121. 17 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जो साल-दर-साल 2.27% कम है। निकट भविष्य में हल्दी की कीमतों को 18300 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करने की उम्मीद है, जिसमें 16600 के करीब सपोर्ट की उम्मीद है।

आगामी दिनों में बंपर फसल की उम्मीद के कारण जीरा वायदा में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। मौजूदा दरों पर जीरा की कीमतें प्रतिस्पर्धी हो गई हैं, जिसने अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया है। जीरा के निर्यात के मौसम से पता चलता है कि मार्च-अप्रैल में त्योहारों के मद्देनजर मजबूत मांग की संभावनाओं के कारण फरवरी-मार्च के दौरान निर्यात मांग अधिक रहती है। बढ़ती मांग के साथ भारत से जीरा निर्यात दिसंबर-23 में बढ़ गया क्योंकि भारत ने पिछले वर्ष के 11.79 हजार टन की तुलना में दिसंबर-23 में लगभग 12.23 हजार टन का निर्यात किया। लेकिन अप्रैल-23-दिसंबर-23 के दौरान कुल निर्यात साल-दर-साल 30% कम होकर 96.7 हजार टन रहा। बंपर फसल की उम्मीद में बढ़त सीमित रहने की संभावना है। वर्ष 2024-25 के लिए उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 30% की वृद्धि होने की संभावना है। जीरा की कीमतों के 21000-32500 के दायरे में रहने की संभावना है।

भौतिक बाजार के साथ-साथ विदेशी बाजार में मजबूत मांग को देखते हुए धनिया की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई। भारत के उत्तरी और मध्य भाग में हाल ही में हुई बारिश से उपज के नुकसान की आशंका से भौतिक बाजार में खरीदारी गतिविधियों को समर्थन मिला। उत्पादन क्षेत्र और उपज में गिरावट के कारण उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10-15% की कमी आने की संभावना है। भारत ने वर्ष 2023 में अप्रैल-दिसंबर के दौरान लगभग 78.47 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के 24.8 टन की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 215% अधिक है। कम उत्पादन अनुमान के कारण कमजोर आपूर्ति की संभावना के कारण धनिया में मजबूती बरकरार रहने की संभावना है। लेकिन आने वाले हफ्तों में नई आवक शुरू होने की संभावना है जिससे बढ़त सीमित रह सकती है। धनिया की कीमतों के 7320-8450 के दायरे में रहने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

भौतिक बाजार में आपूर्ति में कमी के कारण कपास की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही। घरेलू बाजार में उत्पादन कम होने के कारण आवक की गति कम हो गई है। भारतीय कपास निगम द्वारा एमएसपी पर आक्रामक खरीदारी से भी कीमतों को स्थिर रहने में मदद मिली। कपास सीजन 2023-24 के दौरान, 21 फरवरी-24 तक सीसीआई ने एमएसपी ऑपरेशन के तहत 3265971 गांठों की खरीद की है। आईसीई में कॉटन की कीमतों में मजबूती से भारतीय कपास की कीमतों को तेजी के रूझान पर व्यापार करने में मदद मिली क्योंकि कम आपूर्ति के अनुमान के कारण पिछले 7 हफ्तों में आईसीई में कॉटन की कीमतों में 20% से अधिक की वृद्धि हुई है। आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण कपास की कीमतें अधिक रहने की संभावना है क्योंकि आने वाले हफ्तों में आवक कम रहने की संभावना है क्योंकि वर्ष 2023-24 में अब तक लगभग 65%-68% आवक बाजार में पहुंच चुकी है। एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों के 60500-63000 के बीच कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास अप्रैल-24 वायदा की कीमतों के 1610-1700 के स्तर के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

आपूर्ति की कमी के बीच बेहतर मांग की संभावना के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की उम्मीद है। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों के 2550-2850 के दायरे में रहने की संभावना है।

ग्वार उत्पादों के निर्यात में कमी के कारण ग्वारसीड वायदा में गिरावट की उम्मीद है। नॉर्वे और नीदरलैंड से कम खरीद के साथ दिसंबर-23 में ग्वारखली का निर्यात साल-दर-साल 43% गिरकर 7.61 हजार टन हो गया। दिसंबर-23 में ग्वारगम निर्यात भी साल-दर-साल 6% कम होकर 19.7 हजार टन रह गया। अक्टूबर-23-दिसंबर-23 के दौरान ग्वार उत्पादों का कुल निर्यात साल-दर-साल 13% कम होकर 92.3 हजार टन रह गया। सुस्त निर्यात से कीमतों पर असर पड़ेगा क्योंकि नवंबर-जनवरी ग्वार उत्पादों के अधिकतम निर्यात का समय है, लेकिन अमेरिका से सीमित मांग के कारण वर्ष 2023-24 में अब तक निर्यात सुस्त रहा है। लेकिन, घटती आवक से गिरावट सीमित रह सकती है। ग्वारसीड की कीमतों को 4950 के आसपास समर्थन मिलने की उम्मीद है, जबकि रेजिस्टेंस 5900 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 9800 के आसपास समर्थन मिलने की संभावना है, जबकि रेजिस्टेंस 11000 पर रह सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने से मेंथा ऑयल की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। मेंथा के रकबे में गिरावट की उम्मीद से बाजार के सेंटिमेंट को सपोर्ट मिलेगा। लेकिन भारत से मेन्थॉल और मेंथा ऑयल के निर्यात में गिरावट के कारण बढ़त सीमित रहने की संभावना है। मेंथा ऑयल की कीमतों को 895 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है और 950 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने से अरंडी की कीमतें बढ़ने की संभावना है। आवक कम हो गई है क्योंकि किसान कीमतों में अधिक वृद्धि की उम्मीद में अपना स्टॉक जारी करने में अनिच्छुक हैं। भारत ने अप्रैल-23-दिसंबर-23 के दौरान लगभग 296.5 हजार टन अरंडीमील का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह निर्यात 282 हजार टन हुआ था। कैस्टरसीड की कीमतों के 5400-6000 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

सोना 2,040 डॉलर प्रति औंस से ऊपर स्थिर रहा, जिससे लगातार दूसरी साप्ताहिक बढ़त हासिल हुई क्योंकि अमेरिकी मुद्रास्फीति के नवीनतम आंकड़ों के बाद इस साल फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बरकरार रहीं। गुरुवार के आंकड़ों के अनुसार, फेड द्वारा बारीकी से निगरानी की जाने वाली मुद्रास्फीति संकेतक अमेरिकी कोर पीसीई की कीमतें जनवरी में महीने-दर-महीने 0.4% बढ़ी है, जो व्यापक रूप से दिसंबर में 0.1% की वृद्धि से अधिक है। इसके अतिरिक्त, न्यूयॉर्क फेड के अध्यक्ष जॉन विलियम्स ने मुद्रास्फीति में कमी और मजबूत अर्थव्यवस्था का हवाला देते हुए कहा है कि केंद्रीय बैंक वर्ष के अंत में ब्याज दरें कम करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा आर्थिक हालात में दरों में बढ़ोतरी की जरूरत नहीं है। मुद्रास्फीति के दबाव में कमी के साथ, फेड आने वाले महीनों में दर में संभावित कटौती के लिए तैयार है। मुद्रा बाजार के संकेतक से पता चलता हैं कि कारोबारी 2024 में अमेरिकी दर में तीन चौथाई अंक की कटौती पर विचार कर रहे हैं। ईटीएफ प्रवाह में कमी के बावजूद, दुनिया में सोने के सबसे बड़े एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, एसपीडीआर गोल्ड ट्रस्ट की होल्डिंग्स में 3.3% की गिरावट हुई है और इस साल अब तक 6.4% की कमी हुई है, चीन के केंद्रीय बैंक के चौथी तिमाही में सोने के भंडार का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार होने के कारण सोने की कीमतों को आंशिक रूप से समर्थन मिला है। कॉमेक्स पर, सोने की कीमतों को 2,000 डॉलर के करीब समर्थन मिल रहा है और 2,060 डॉलर के करीब रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। 2,060 डॉलर से ऊपर जाने पर कीमतें कीमतें 2,100 डॉलर तक बढ़ सकती है। चांदी की कीमतों के 21.800 डॉलर से 23.500 डॉलर के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को 60800 के करीब सपोर्ट मिल सकता है और 62500 के आसपास रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, चांदी की कीमतें 69000-72900 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

ओपेक+ द्वारा आपूर्ति में कटौती के संभावित विस्तार और मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के बारे में अटकलों के कारण इस सप्ताह कच्चे तेल में लगभग 3% की वृद्धि हुई। मार्च में ओपेक+ की आगामी बैठक का बेसब्री से इंतजार इस उम्मीद के साथ किया जा रहा है कि उत्पादक बाजार को स्थिर करने के लिए कम से कम जून की मंत्रिस्तरीय बैठक तक स्वैच्छिक उत्पादन सीमा बनाए रखेंगे। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम वार्ता पर अनिश्चितता के साथ-साथ लाल सागर के नौवहन पर हौथी हमलों के जारी रहने से बाजार में घबराहट बढ़ गई है, जिसने तेल की कीमतों पर जोखिम प्रीमियम बढ़ा है। इन तेजी वाले कारकों के बावजूद, नवीनतम ईआईए रिपोर्ट में रिफाइनरी प्रसंस्करण में कमी के कारण पिछले सप्ताह कच्चे तेल के स्टॉक में अनुमान से अधिक 4.199 मिलियन बैरल की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, रॉयटर्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) ने इस महीने 26.42 मिलियन बैरल प्रति दिन तेल का उत्पादन किया, जो जनवरी से 90,000 बैरल प्रति दिन अधिक है। लीबिया का उत्पादन महीने-दर-महीने 150,000 बैरल प्रति दिन बढ़ा। मार्च के पहले सप्ताह में कटौती बढ़ाने पर निर्णय होने की उम्मीद है, जिसमें अलग-अलग देशों द्वारा अपनी स्थिति की घोषणा करने की उम्मीद है। लेकिन, दुनिया के प्रमुख तेल उपभोक्ता चीन के फरवरी माह के क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) आंकड़ों से कीमतों में बढ़ोतरी कम हुई। एक आधिकारिक फैक्ट्री सर्वेक्षण के अनुसार, फरवरी में चीन की मैनुफैक्चरिंग गतिविधि लगातार पांचवें महीने कम हो गई, और बीजिंग के नीति निर्माताओं पर और अधिक प्रोत्साहन उपाय करने का दबाव बढ़ गया है क्योंकि फैक्ट्री मालिक ऑर्डर के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आगामी दिनों में, तेल की कीमतों को 6280 के आसपास सपोर्ट और 6790 के करीब रेजिस्टेंस मिल सकता है। इस बीच, पिछले नुकसान के बाद नेचुरल गैस वायदा में 12% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जिसे आपूर्ति की चिंताओं के कारण मदद मिली है। इस सप्ताह में, गैस में खरीदारी का रुझान जारी रह सकता है, और कीमतों को 145 के आसपास सपोर्ट मिल सकता है और 165 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है।

बेस मेटल

चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के बाद चीन से मांग नहीं बढ़ने के कारण बेस मेटल में नरमी के रुझान के साथ कारोबार हो सकता हैं। कमजोर मांग और चीन के प्रॉपट्री सेक्टर के लिए अनिश्चित आउटलुक के कारण बाजार पर दबाव बना रहेगा। हाल ही में एक आधिकारिक फैक्ट्री सर्वेक्षण से पता चला है कि फरवरी में चीन की मैनुफैक्चरिंग गतिविधि में लगातार पांचवें महीने गिरावट हुई है, जिससे बीजिंग के नीति निर्माताओं पर और अधिक प्रोत्साहन उपाय करने का दबाव बढ़ गया है क्योंकि फैक्ट्री मालिक ऑर्डर के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्थानीय सरकारों द्वारा कमजोर उधारी से अधिक आर्थिक सहायता की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि बीजिंग अपनी सुस्ती दूर कर सकता है और अधिक कर्ज ले सकता है। तांबें की कीमतें 715-740 के दायरे में कारोबार कर सकती है। आंकड़ों से पता चलता है कि एसएचएफई गोदामों में तांबे का भंडार दो सप्ताह से कुछ अधिक समय में दोगुना से अधिक बढ़कर 181,323 टन हो गया। यह पिछले मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है। चीन में तांबें का ट्रीटमेंट शुल्क एक दशक से भी अधिक समय में सबसे कम हो गया क्योंकि घरेलू उत्पादक आवश्यक स्वैच्छिक उत्पादन कटौती को लागू करने में विफल रहे। देश की स्मेल्टिंग और शोधन क्षमता के विस्तार के बाद दिसंबर में चीन में रिफाइंड तांबे का उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। जिंक की कीमतें 206-222 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लेड की कीमतें 174-182 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। एल्युमीनियम की कीमतें 195-207 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। वैश्विक एल्युमीनियम उत्पादकों ने जापानी खरीदारों को अप्रैल-जून में प्राथमिक एल्युमीनियम के शिपमेंट के लिए 145-155 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के प्रीमियम की पेशकश की है, जो चालू तिमाही से 61%-72% अधिक है। स्टील लॉन्ग (मार्च) की कीमतों के तेजी के रुझान के साथ 41700-43400 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कच्चे स्टील का उत्पादन जनवरी 2024 में 1.6 प्रतिशत घटकर 148.1 मिलियन टन रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 150.6 मिलियन टन था।

लेड ...इलेक्ट्रिक वाहनों में बढ़ता उपयोग

लेड का व्यापक रूप से बैटरी, केबल शीट, मशीनरी निर्माण, जहाज निर्माण, प्रकाश उद्योग, लेड ऑक्साइड, विकिरण सुरक्षा और अन्य उद्योगों में उपयोग किया जाता है। वैश्विक स्तर पर लेड की मांग में कार बैटरियों की हिस्सेदारी लगभग 80% है। आने वाले वर्षों में अधिक इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने से वैश्विक लेड बाजार में लेड की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

लेड बाजार को प्रभावित करने वाले प्रमुख रुझान और कारक

- **ऑटोमोबाइल उद्योग:** पारंपरिक वाहनों में स्टार्टिंग, लाइटिंग और इग्निशन के लिए लेड-एसिड बैटरियों का अभी भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। जबकि ईवी का चलन बढ़ रहा है, पारंपरिक वाहनों की विशाल संख्या लेड की स्थिर मांग सुनिश्चित करती है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा:** नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण समाधानों में लेड की मांग बढ़ रही है, विशेष रूप से सौर और पवन ऊर्जा प्रणालियों के लिए ग्रिड की विश्वसनीयता और ऊर्जा भंडारण की आवश्यकता बढ़ रही है।
- **तकनीकी नवाचार:** लेड पुनर्चक्रण और बैटरी प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास से लेड के उपयोग की दक्षता और स्थिरता बढ़ रही है।
- **लेड की सीमित आपूर्ति:** शंघाई मेटल मार्केट न्यूज के अनुसार "कच्चे माल की आपूर्ति के दृष्टिकोण से, लेड कंसेन्ट्रेशन और स्क्रैप सामग्री की आपूर्ति सीमित है। बैटरी स्क्रैप की कीमत में कमी से रीसाइक्लिंग की मात्रा में कमी आई है। उच्च ऊर्जा लागत (यूरोपीय स्मेल्टरों के लिए) और सख्त पर्यावरणीय नियम भी रिफाइंड लेड की उत्पादन वृद्धि को बाधित करेंगे।

लेड की वैश्विक मांग-आपूर्ति

- अक्टूबर 2023 में, विश्व बैंक के कमोडिटी आउटलुक ने अनुमान लगाया है कि आपूर्ति में लगातार वृद्धि के बीच 2024 और 2025 में लेड की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रहेंगी। 2024 में खदानों से उत्पादन वृद्धि में तेजी आने और मध्यम अवधि में मामूली वृद्धि होने की उम्मीद है।
- अंतर्राष्ट्रीय लेड और जिंक अध्ययन समूह के अनुसार 2023 में रिफाइंड लेड का वैश्विक उत्पादन 2.8 प्रतिशत बढ़ा है जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, चीन, जर्मनी, भारत और संयुक्त अरब अमीरात में वृद्धि के परिणामस्वरूप, जहां हाल ही में नई क्षमता शुरू की गई है, बढ़ा है। इसकी भरपाई बुल्गारिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस और यूके में उत्पादन में कमी से हुई है।
- द्वितीयक कच्चे माल से रिफाइंड लेड का उत्पादन 2022 में दर्ज किए गए 66% के बराबर रहा।
- अंतर्राष्ट्रीय लेड और जिंक अध्ययन समूह द्वारा संकलित प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, 2023 में रिफाइंड लेड की वैश्विक आपूर्ति मांग से 92,000 टन अधिक हो गई। लंदन मेटल एक्सचेंज, शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज, उत्पादकों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं द्वारा रिपोर्ट किए गए भंडार में 123,000 टन की वृद्धि हुई और वर्ष के अंत में कुल 447,000 टन हो गई।
- रिफाइंड लेड की वैश्विक मांग में 1% की वृद्धि हुई। कोरिया गणराज्य, तुर्किये और संयुक्त राज्य अमेरिका में मांग में गिरावट की काफी हद तक भरपाई यूरोप, चीन, भारत, मैक्सिको और ताइवान (चीन) में वृद्धि से हुई।
- यद्यपि 2023 में वैश्विक लेड बाजार में अत्यधिक आपूर्ति की गई थी, लेकिन मांग में लगातार वृद्धि, विशेष रूप से चीन और भारत में, आपूर्ति में वृद्धि को पीछे छोड़ देगी, जो नए लेड स्मेल्टरों पर कड़े पर्यावरणीय प्रतिबंधों से बाधित होगी।
- यह प्रवृत्ति संभवत: 2025 में भी जारी रहेगी क्योंकि यूरोप में स्मेल्टरों के 2022 में आंशिक रूप से बंद होने के बाद सीमित रूप से फिर से खुलने के कारण उत्पादन में वृद्धि धीमी रहेगी ।
- चीन में लेड कंसेंन्ट्रेशन में निहित लेड का शुद्ध आयात 2023 में 15% बढ़कर 666,000 टन हो गया। रिफाइंड लेड का इसका शुद्ध निर्यात 61% बढ़कर 183,000 टन हो गया।
- विश्व स्तर पर खदानों से लेड का उत्पादन 1.1% बढ़ा है। यह बोलीविया, कजाकिस्तान, पेरू और ऑस्ट्रेलिया में बढ़ा है जबकि यूरोप, मैक्सिको और अमेरिका में कम हुआ है।

विश्व स्तर पर रिफाइंड लेड की आपूर्ति और उपयोग (1000 टन में)

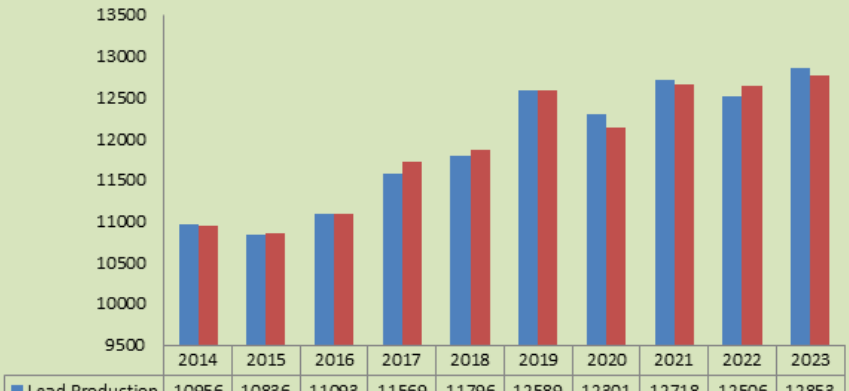

	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023
Lead Production	10956	10836	11093	11569	11796	12589	12301	12718	12506	12853
Lead Usage	10946	10859	11082	11724	11869	12591	12139	12659	12640	12761

स्रोत: अंतर्राष्ट्रीय लेड और जिंक अध्ययन समूह

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।